वितर्कः (=guess). III. A statement : perh. गणना(न)पत्रम्. Ph. : *dead r.* (*at sea*) : perh. गतिगणना.

RECLAIM : I. Lit. : v. To claim, again. II. To effect reformation : (1) शोधयति, परि-, ( c. of शुध् ) ; (2) सत्पथे प्रवर्तयति ( c. of वृत् ). III. Of lands : perh. शोधयति, परि-, वि- ; (2) कृषियोग्यं ( f. ग्यां ) करोति.

RECLAMATION : I. Recovery : q.v. II. In gen. : शोधनम्, वि-, परि-.

RECLINE : I. To lean back : (1) अव-लम्बते, आ-, समा-, ( लम्ब्, c. 1. ) ; (2) आश्रयति, उपा-, समा-, ( श्रि, c. 1. ), *where other women have not r.d* : अनुपाश्रितोऽन्यया, U. i. 37. ; (3) expr. with words meaning *pillow* : q.v. II. To lie, rest : q.v. : विश्राम्यति ( श्रम्, c. 4. ).

RECLINING, RECLINED (adj.) : (1) नम्र ( f. म्रा ), अव-, प्र- (=bent, low) ; (2) शयान ( f. ना= lying down) ; (3) by verb.

RECLUSE : I. Subs. : सन्न्यासिन् (f. नी) : v. Hermit. II. Adj. : विविक्त (f. क्ता) : v. Solitary, lonely.

RECOGNITION : अभिज्ञानम्, प्रति- ; (2) अभिज्ञा, प्रति-; (3) संवित्तिः, प्रति- (rare).

RECOGNIZABLE : (1) अभिज्ञेयः ( या, यं ), प्रति- ; (2) संवेद्य (f. द्या ) *or* -दनीय (f. या ), प्रति- (rare).

RECOGNIZANCE : no equiv. : दर्शनाङ्गीकारः ( comp. प्रातिभाव्याङ्गीकारः, Mit.).

RECOGNIZE : I. To see likeness or identity : (1) अभिजानाति, प्रति-, सं- ( ज्ञा, c. 9. ), *I am r. d by him* : प्रत्यभिज्ञातास्म्येतेन, Ra. iii. ; अनभिज्ञेयपूर्वाकारं तमहमद्राक्षम्, K. ; (2) संवित्ते, प्रति-, ( विद्, c. 2. ), *when even my parents do not r. me* : पितरावपि यावन्मां न प्रतिसंविदाते, D. iii. II. To acknowledge : q.v. : अङ्गीकरोति.

RECOIL : I. Verb : (1) परावर्तते ( वृत्, c. 1. ) ; (2) व्यपवर्तते, Mah. i. 19. : v. Also to fall back. II. Subs. : (1) परावृत्तिः ; (2) परावर्तः, नम् ; (3) व्यपवृत्तिः *or* -वर्तनम्.

RECOLLECT : I. To remember : q.v. : स्मरति ( स्मृ, c. 1. ). II. To r. one's self, not to forget one's self : धैर्यं न मुञ्चति ( मुच्, c. 6. ) ; विकृतिं न गच्छति (गम्, c. 1.) ; and sim. expr.s. III. To recognize : q.v.

RECOLLECTION : स्मृतिः : v. Remembrance.

RECOMMEND : I. To commend, praise : q.v. : प्रशंसति ( शंस्, c. 1. ). II. To another's favourable notice : expr. by circumlo., *I will r. you to Damayanti in such a way* : तदहं विद्धे तव स्तवं दमयन्त्याः सविधे तथा तथा, N. ii. 47. III. To advise : q.v. : उपदिशति ( दिश्, c. 6. ). IV. To commit, entrust : q.v.

RECOMMENDATION : I. In gen. : (1) प्रशंसा (=praise) ; (2) गुणवर्णना (=description of good qualities) ; and sim. expr.s. II. Advice : q.v. : उपदेशः.

RECOMMENDATORY : (1) गुणख्यापक ( f. पिका ) ; (2) गुणोल्लेखिन् ( f. नी ) ; (3) गुणशंसिन् ( f. नी ); and sim. comp.s.

RECOMPENSE (v.) : I. For some loss : (1) शोधयति, परि-, प्रति-, ( c. of शुध् ) ; (2) क्षतिपूरणं करोति. II. To pay : q.v. : मूल्यं ददाति.

RECOMPENSE (subs.) : (1) निष्कृतिः : v. Compensation ; (2) मूल्यम् (=price) ; (3) पारितोषिकम् (=reward).

RECONCILABLE : (1) प्रसादनीय ( f. या ) ; (2) सा-(शा)न्त्वनीय ( f. या ), परि-.

RECONCILE : I. To conciliate : (1) मिलनं *or* संमिलनं कारयति ( c. of कृ ) ; (2) संघटयति ( c. of घट् ) ; (3) कोपं शमयति ( c. of शम्=to appease anger) ; (4) प्रसादयति ( c. of सद् ). II. To make consistent : (1) विसंवादम् अपाकरोति ( कृ, c. 8. ) ; (2) ऐक्यं करोति.

RECONCILIATION, RECONCILEMENT : I. The act : (1) by verb ; (2) प्रसादनम् (=conciliation). II. The state : (1) मिलनम्, -सं- ; (2) संघटनम्, -ना ; (3) ऐक्यम्. III. Of figures etc. : एकीकरणम् : v. To reconcile (II).

RECONDITE : (1) गूढ ( f. ढा ), नि- ; (2) गहन ( f. ना=difficult, obscure : q.v.) ; (3) रहस्य ( f. स्या ) : v. Secret ; (4) दुर्बोध ( f. धा ), दुर्ज्ञेय ( f. या ), and sim. expr.s (=not intelligible).

RECONNAISSANCE : (1) गवेषणा, -णम् ; (2) परीक्षा (=examination).

RECONNOITRE : (1) गवेषयति ( गवेष्, c. 10. ) ; (2) परीक्षते ( ईक्ष्, c. 1.=to examine). Ph. : *r. ing party* : चाराः (=spies), Ram. vi. 1.